कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD-17

हिंदी में स्नातकोत्तर उपाधि

एम.ए. (हिंदी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

एम.एच.डी.-17 : 'भारत की चिंतन परंपराएँ और दलित साहित्य'

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *(i) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) अंतिम प्रश्न अनिवार्य है।

(iii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. कन्नड की भक्ति-साहित्य परंपरा का परिचय दीजिए। 10

2. तेलुगु संत-काव्य की विशेषताएँ लिखिए। 10

3. वीर शैव पंथ के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए इसकी सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए। 10

4. वचन साहित्य की विशेषताओं को लिखिए। 10

P. T. O.

5. निर्गुण-काव्य की प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए। 10

6. भारतीय दर्शन-परंपरा के संदर्भ में चार्वाक दर्शन की महत्ता पर प्रकाश डालिए। 10

7. सरहपा और चौरासी सिद्ध-परंपरा का ऐतिहासिक महत्व बताइए। 10

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$5 \times 2 = 10$

(क) महानुभाव पंथ दर्शन।

(ख) नाथ पंथ।

(ग) आर्य नागार्जुन।

(घ) संत-काव्य।